

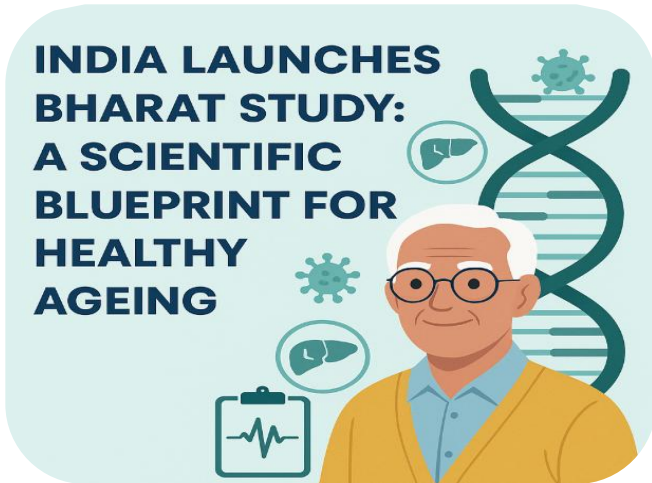


Daily करेंट अफेयर्स

»» 04 जुलाई 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. भारत ने BHARAT अध्ययन शुरू किया: स्वस्थ आयुवृद्धि के लिए वैज्ञानिक खाका।



जुलाई 2025 में, भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु ने भारत अध्ययन शुरू किया - एक राष्ट्रीय शोध पहल जो स्वस्थ उम्र बढ़ने के वैज्ञानिक संकेतों की पहचान करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य भारत की बढ़ती बुजुर्ग आबादी के जीवन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य अवधि में सुधार करना है।

- BHARAT का पूरा नाम है स्वस्थ उम्र बढ़ने, लचीलापन, प्रतिकूलता और संक्रमण के बायोमार्कर। यह भारत का पहला बड़े पैमाने पर, मल्टी-ओमिक्स एजिंग अध्ययन है जो जीनोमिक्स, एपिजेनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स, मेटाबोलोमिक्स, लिपिडोमिक्स और माइक्रोबायोम विश्लेषण का उपयोग करके जैविक उम्र बढ़ने का अध्ययन करने के लिए देश भर में हजारों नमूनों का विश्लेषण करेगा।

- भारत की बुजुर्ग आबादी (60 वर्ष से अधिक आयु) 2011 में 104 मिलियन से बढ़कर 2026 तक 173 मिलियन से अधिक हो जाने का अनुमान है, जो आयु-संबंधी बीमारियों में तेजी से वृद्धि में योगदान देता है। अकेले डिमेंशिया के मामलों में 200% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि आने वाले दशकों में पार्किंसंस रोग में 168% की वृद्धि होने की उम्मीद है।

- भारत अध्ययन भारत-विशिष्ट चिकित्सा आधार रेखाओं की कमी को संबोधित करता है। यह भारतीय जैविक उम्र बढ़ने के मानकों को विकसित करेगा, जैसे कि यकृत आयु, गुर्दे की आयु और चयापचय आयु। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि कई वैश्विक कट-ऑफ मान (जैसे, कोलेस्ट्रॉल, CRP, B12) भारतीय आबादी पर सटीक रूप से लागू नहीं होते हैं।

Key Points:-

(i) यह अध्ययन विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वस्थ उम्र बढ़ने के दशक (2021-2030) और भारत के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPHCE) जैसे वैश्विक और राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है। यह SDG 3 (अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण) का समर्थन करता है और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (HWCs) जैसी सरकारी योजनाओं के साथ मिलकर काम करता है।

(ii) प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 8.8 मिलियन बुजुर्ग भारतीय मनोभ्रंश से पीड़ित हैं, और 50% तक सरकोपेनिया या ऑस्टियोपोरोसिस का अनुभव करते हैं, जिसके कारण गिरने, फ्रैक्चर और विकलांगता होती है। BHARAT भारतीय शरीर विज्ञान के अनुरूप प्रारंभिक निदान, पोषण संबंधी दिशा-निर्देश और शारीरिक गतिविधि कार्यक्रमों सहित निवारक मॉडल विकसित करने में मदद करेगा।

(iii) दीर्घकालिक लक्ष्य आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के तहत भारत के डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में निष्कर्षों को एकीकृत करना है। डेटा AI-संचालित जोखिम पूर्वानुमान, व्यक्तिगत बुजुर्ग देखभाल सेवाओं और बीमा, पेंशन, शहरी नियोजन और ग्रामीण वृद्धावस्था देखभाल प्रणालियों में बेहतर नीतियों के विकास का समर्थन करेगा।

2. भारत और UAE ने CEPA फ्रेमवर्क के तहत ग्रीन स्टील और उच्च श्रेणी के एल्यूमीनियम में रणनीतिक सहयोग को गहरा किया।



जुलाई 2025 में, भारत के केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने भारत-UAE CEPA (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) ढांचे के तहत हरित इस्पात और एल्यूमीनियम में दीर्घकालिक व्यापार और औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए नई दिल्ली में UAE के मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी से मुलाकात की।

- द्विपक्षीय बैठक में संसाधन सुरक्षा, परियोजना निवेश और प्रीमियम स्टील तथा उच्च-ग्रेड एल्यूमीनियम के उत्पादन और निर्यात से संबंधित प्रौद्योगिकी विनिमय में रणनीतिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों देश हरित ऊर्जा आधारित विनिर्माण और सुरक्षित कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला में प्रयासों को संरक्षित करना चाहते हैं।

- सहयोग को संस्थागत बनाने के लिए, एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा प्रस्तावित एक संयुक्त कार्य समूह (JWG) की स्थापना की जाएगी। यह समूह प्राथमिकता वाली परियोजनाओं की पहचान करेगा, रसद और शिपिंग का समन्वय करेगा, और हरित धातु क्षेत्र में दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी की नींव रखेगा।

- चर्चा में प्रीमियम ग्रेड एल्यूमीनियम मिश्रधातुओं और कम उत्सर्जन वाले हरित इस्पात के निर्माण पर जोर दिया गया, जिसका उद्देश्य ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस जैसे उच्च-स्तरीय औद्योगिक उपयोग को बढ़ावा देना है। UAE की फर्म स्टेविन रॉक LLC हरित इस्पात निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कम सिलिका चूना पत्थर के लिए दीर्घकालिक आपूर्ति गठजोड़ की संभावना तलाश रही है।

Key Points:-

(i) भारत की स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) वर्तमान में अपने ब्लास्ट फर्नेस संचालन के लिए रास अल खैमाह (UAE) से सालाना लगभग 2.5 मिलियन टन (MT) कम सिलिका चूना पत्थर आयात करती है। बैठक में आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने और UAE के संसाधन लाभ का पता लगाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

(ii) सहयोग में शामिल प्रमुख CPSEs में SAIL, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) और मेटलर्जिकल एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (MECON) शामिल हैं। इन PSUs ने दुबई में एक स्थायी कार्यालय स्थापित किया है, जिससे व्यापार, संयुक्त उद्यमों और यूएई-आधारित प्रौद्योगिकियों को अपनाने में समन्वय की सुविधा मिलती है।

(iii) अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के भाग के रूप में, भारत ने 2030 तक 300 मीट्रिक टन की वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता हासिल करने का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है। इस भारत-UAE साझेदारी से बेहतर संसाधन पहुंच और औद्योगिक नवाचार के माध्यम से उस लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

3. भारत सरकार ने NIPCCD का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया है।



जून 2025 में, भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (NIPCCD) का नाम बदलकर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान कर दिया, जिससे समाज सुधारक को सम्मान मिला और महिला एवं बाल-केंद्रित नीति पर जोर दिया गया।

- यह नाम परिवर्तन 19 जून, 2025 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 की धारा 12 और 12A के तहत एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से प्रभावी हुआ, जो भारत में 19वीं सदी की महिला शिक्षा और सामाजिक समानता की अग्रणी सावित्रीबाई फुले को एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है।

- केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस परिवर्तन को समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि बताया, जिसमें संस्थान - महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय - प्रशिक्षण, अनुसंधान और नीति कार्यान्वयन के लिए भारत का सर्वोच्च संस्थान बना रहेगा।

- भारत ने क्षमता निर्माण को विकेंद्रीकृत करने के लिए 4 जुलाई, 2025 को रांची, झारखंड में एक नए क्षेत्रीय केंद्र का भी उद्घाटन किया। यह केंद्र मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य और पोषण 2.0 जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में सात लाख से अधिक फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को सेवा प्रदान करेगा।

Key Points:-

(i) रांची केंद्र बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा प्रदान करेगा, साथ ही किशोर मानसिक स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और बाल विकास पर शोध के लिए एक केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा। यह बेंगलुरु, गुवाहाटी, लखनऊ, इंदौर और मोहाली में मौजूदा केंद्रों का पूरक है।

(ii) 28 फरवरी, 1966 को स्थापित यह संस्थान महिला एवं बाल कल्याण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय सर्वोच्च निकाय के रूप में विकसित हुआ है। नाम बदलने से इसके मिशन को बल मिलता है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के '2047 तक Viksit Bharat' के लक्ष्य के साथ संरेखित है।

(iii) सावित्रीबाई फुले, जिनका जन्म 3 जनवरी, 1831 को हुआ था, भारत की पहली महिला शिक्षिका और जाति-विरोधी कार्यकर्ता थीं। NIPCCD का नाम बदलना एक ऐतिहासिक श्रद्धांजलि और भारत की सार्वजनिक नीति में समान शिक्षा और लैंगिक न्याय के प्रतीकात्मक सुदृढीकरण के रूप में कार्य करता है।

4. राष्ट्रपति मुर्मू ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नए शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे का उद्घाटन किया।



1-2 जुलाई, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोरखपुर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (MGU) में एक नए शैक्षणिक ब्लॉक, ऑडिटोरियम, पंचकर्म केंद्र का उद्घाटन किया और लड़कियों के छात्रावास की आधारशिला रखी, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

- राष्ट्रपति मुर्मू ने औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, अकादमिक ब्लॉक और आयुर्वेदिक पंचकर्म वेलनेस सेंटर का उद्घाटन किया, जिससे परिसर की शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में वृद्धि हुई। ये अतिरिक्त सुविधाएं एलोपैथी और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों दोनों को एकीकृत करती हैं, जो एमजीयू के समग्र मिशन का समर्थन करती हैं।

- उन्होंने 1,000 क्षमता वाले बालिका छात्रावास की आधारशिला रखी तथा सुरक्षित आवास, विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के लिए, के लिए इसके महत्व पर बल दिया तथा इस बात पर जोर दिया कि महिला सशक्तीकरण के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी साधन है।

- राष्ट्रपति ने आधुनिक चिकित्सा को AYUSH प्रणालियों के साथ एकीकृत करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (MGU) की प्रशंसा की, तथा आगामी 1,800 बिस्तरों वाले गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र पर प्रकाश डाला, जिससे उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा।

Key Points:-

(i) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, राष्ट्रपति ने भारत के समावेशी और कुशल विकास लक्ष्यों को पूरा करने में एमजीयू जैसे निजी संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने चार वर्षों के भीतर रोजगारोन्मुखी केंद्र में विश्वविद्यालय के तेजी से परिवर्तन की सराहना की।

(ii) जब उन्होंने 'एक पेड़ माँ के लिए' वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया तो एक सांस्कृतिक और पर्यावरणीय आयाम सामने आया, जो स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

(iii) इस समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति के दौरे को प्रेरणादायी बताया और विश्वविद्यालय की आध्यात्मिक और राष्ट्रीय आदर्शों पर आधारित विरासत की पुष्टि की।

5. लद्दाख ने लेह में पहली बार खगोल पर्यटन महोत्सव का आयोजन किया (27-28 जून, 2025)।



केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख ने 27 से 28 जून, 2025 तक लेह के जिला पंचायत संसाधन केंद्र, एग्लिन में अपना पहला खगोल पर्यटन महोत्सव आयोजित किया, जिसका लक्ष्य हिमालयी क्षेत्र में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना और खगोल पर्यटन को बढ़ावा देना है।

- दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन पर्यटन विभाग, लद्दाख और भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA), बेंगलुरु (कर्नाटक) द्वारा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अतिरिक्त सहयोग से संयुक्त रूप से किया गया था।

Key Points:-

(i) इस पहल का उद्देश्य लद्दाख को इसकी अनूठी पर्यावरणीय परिस्थितियों - उच्च ऊंचाई, शुष्क मौसम और कम प्रकाश प्रदूषण - के कारण खगोल पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उजागर करना था, जो क्रिस्टल-क्लियर आसमान के नीचे मिलकी वे और रात के आकाश के अवलोकन के लिए आदर्श सेटिंग प्रदान करते हैं।

(ii) ISRO, IIA और कश्मीर विश्वविद्यालय (जम्मू और कश्मीर, J&K) के खगोल भौतिकीविदों और विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण सत्रों का नेतृत्व किया गया। हनले डार्क स्काई रिजर्व में भी वार्ता और प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिससे शौकिया खगोलविदों और आगंतुकों के लिए एक व्यावहारिक अनुभव तैयार हुआ।

(iii) इस उत्सव का मुख्य आकर्षण लद्दाख विश्वविद्यालय के लेह परिसर में रात्रि आकाश अवलोकन सत्र था, जहाँ उपस्थित लोगों ने नक्षत्रों, ग्रहों और गहरे आकाश की वस्तुओं का अवलोकन करने के लिए दूरबीनों का उपयोग किया, जिससे खगोल विज्ञान के साथ लोगों की सहभागिता बढ़ी।

INTERNATIONAL

1. रूस अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता देने वाला पहला देश बन गया।



3 जुलाई, 2025 को रूस ने राजदूत गुल हसन हसन के क्रेडेंशियल्स को स्वीकार करके अफगानिस्तान में तालिबान के इस्लामिक अमीरात को औपचारिक रूप से मान्यता दी, जो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने और तालिबान की आतंकवादी सूची को हटाने के बाद से शासन की पहली आधिकारिक मान्यता है।

● रूस के विदेश मंत्रालय ने तालिबान द्वारा नियुक्त राजदूत गुलहसन हसन से परिचय पत्र प्राप्त करने के बाद इस कदम की पुष्टि की। इसके साथ ही रूस तालिबान सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाला पहला देश बन गया है, जिसने अगस्त 2021 से उसके वास्तविक शासन को मान्यता दे दी है।

● यह मान्यता रूस के अप्रैल 2025 के उस निर्णय के बाद दी गई है जिसमें उसने तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटा दिया था और इससे पहले मास्को और काबुल में तालिबान के राजनयिकों को मान्यता दी गई थी - विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अनुसार, यह "पूर्ण साझेदारी" की दिशा में कदम है।

● रूस ने इस मान्यता को एक "साहसिक निर्णय" बताया, जिसका रणनीतिक उद्देश्य सुरक्षा, आतंकवाद निरोध, मादक पदार्थ नियंत्रण तथा ऊर्जा, परिवहन, कृषि और बुनियादी ढांचे जैसे आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना है।

Key Points:-

(i) तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने रूस के फैसले की प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि इससे दूसरे देश भी ऐसा ही करने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने इसे वैश्विक कूटनीतिक स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त करने वाला एक "उदाहरण" बताया।

(ii) मास्को की यह मान्यता तालिबान द्वारा महिलाओं के अधिकारों पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण पश्चिमी देशों में व्याप्त संशय के बीच आई है, जिसमें छठी कक्षा से आगे लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध और

महिलाओं की सार्वजनिक भागीदारी पर सीमाएं शामिल हैं - जो वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों से जुड़ी चिंता का विषय है।

(iii) यह कदम अफ़गानिस्तान के प्रति रूस के बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है - सोवियत युग के संघर्ष से लेकर 2021 के बाद के मेल-मिलाप तक। द्विपक्षीय संबंधों के हिस्से के रूप में, अफ़गानिस्तान ने 2022 से ही रूसी तेल, गैस और गेहूं का आयात करना शुरू कर दिया है, जिससे नए कूटनीतिक जोर को बल मिला है।

2. विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा संपन्न की और 10वीं क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया।



30 जून से 2 जुलाई, 2025 तक, विदेश मंत्री (EAM) डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने 10वीं क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक (QFMM) और द्विपक्षीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया।

• डॉ. एस. जयशंकर की यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करना था। क्वाड देशों (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) के बीच उच्च स्तरीय वार्ता में क्षेत्रीय

सुरक्षा, समुद्री सहयोग और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर दिया गया।

• 30 जून, 2025 को डॉ. जयशंकर ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में "आतंकवाद की मानवीय लागत" नामक एक शक्तिशाली प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें आतंकवाद विरोधी कूटनीति पर भारत के दृढ़ रुख के साथ वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

• 1 जुलाई, 2025 को डॉ. जयशंकर ने वाशिंगटन, D.C. में आयोजित 10वीं QUAD विदेश मंत्रियों की बैठक (QFMM) में भाग लिया। इसकी अध्यक्षता अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की और इसमें पेनी वोंग (ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री) और जापान के विदेश मंत्री इवाया ताकेशी ने भाग लिया।

Key Points:-

(i) QFMM के दौरान, QUAD राष्ट्रों ने 'QUAD-at-Sea शिप ऑब्जर्वर मिशन' लॉन्च किया, जो विलमिंगटन घोषणा के तहत अपनी तरह की पहली संयुक्त समुद्री पहल है, जिसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अंतर-संचालन और समुद्री डोमेन जागरूकता को मजबूत करना है।

(ii) भारत ने क्वाड भागीदारों के साथ मिलकर 'क्रिटिकल मिनरल्स इनिशिएटिव' नामक एक प्रमुख सहयोगी योजना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य क्वाड राष्ट्रों के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप, हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, अर्धचालकों और EV बैटरियों के लिए महत्वपूर्ण दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों की लचीली आपूर्ति को बढ़ाना है।

(iii) इस यात्रा में डिजिटल बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा, गलत सूचनाओं से निपटने के ढांचे और शिक्षा एवं रक्षा नवाचार में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर रणनीतिक चर्चा भी शामिल थी। डॉ. जयशंकर ने QUAD वैक्सीन साझेदारी और हिंद महासागर क्षेत्र में कनेक्टिविटी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की फिर से

पुष्टि की।

3. IFC ने गुजरात में भारत की सबसे बड़ी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए इंडीग्रिड को 460 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताई।



जुलाई 2025 की शुरुआत में, विश्व बैंक समूह के भाग, अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC) ने गुजरात में भारत की सबसे बड़ी स्टैंडअलोन बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) के विकास के लिए इंडीग्रिड को ₹460 करोड़ (लगभग US\$55 मिलियन) देने का वचन दिया।

- 460 करोड़ रुपये का वित्तपोषण गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर किस्तों के माध्यम से जुटाया जाएगा, जिसमें IFC अपने स्वयं के फंड से 38.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर और स्वच्छ प्रौद्योगिकी कोष के माध्यम से 16.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा - यह विश्व बैंक समर्थित पहल है जिसका उद्देश्य हरित ऊर्जा समाधानों में तेजी लाना है।

- गुजरात BESS परियोजना की क्षमता 180 मेगावाट / 360 मेगावाट घंटा होगी, जो इसे देश की सबसे बड़ी स्टैंडअलोन बैटरी स्टोरेज प्रणाली बनाती है। इसे ग्रिड स्थिरता बढ़ाने, पीक लोड सर्ज को प्रबंधित करने और सौर और पवन ऊर्जा की रुकावट को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- यह पहल 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली उत्पादन हासिल करने के भारत के लक्ष्य के अनुरूप है, और उसी वर्ष तक 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तक पहुंचने की गुजरात की महत्वाकांक्षा का समर्थन करती है।

Key Points:-

(i) इंडीग्रिड विद्युत क्षेत्र में भारत का पहला अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (InvIT) है, जिसके पास 31,900 करोड़ रुपये (~ 3.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की ट्रांसमिशन और नवीकरणीय संपत्तियां हैं, जिनमें 450 मेगावाट परिचालन BESS और 1.15 गीगावाट सौर उत्पादन क्षमता शामिल है।

(ii) IFC का निवेश सहयोग के नवीनतम चरण को चिह्नित करता है: 2023 से, IFC ने इंडीग्रिड को ऋण वित्तपोषण में लगभग 3,250 करोड़ रुपये (~ 380 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का विस्तार किया है, जो वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य, स्वच्छ और समावेशी बुनियादी ढांचे को चलाने के अपने मिशन को मजबूत करता है।

(iii) IFC के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय निदेशक इमाद एन. फाखौरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने और विश्वसनीय, सस्ती बिजली सुनिश्चित करने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण आवश्यक है - विशेष रूप से पीक डिमांड अवधि के दौरान - जो राष्ट्रीय विकास और जलवायु लक्ष्यों का समर्थन करता है।

BANKING & FINANCE

1. SBI ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समर्थन को मजबूत करने के लिए कोलकाता और हैदराबाद में दो वैश्विक व्यापार वित्त केंद्र खोले।



1 जुलाई, 2025 को भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने आयात-निर्यात लेनदेन में तेजी लाने और घरेलू और बहुराष्ट्रीय व्यवसायों के लिए व्यापार वित्त सेवाओं को बढ़ाने के लिए कोलकाता और हैदराबाद में विशेष वैश्विक व्यापार वित्त केंद्रों का उद्घाटन किया, जिनमें 800 से अधिक पेशेवर कार्यरत होंगे।

- प्रत्येक केंद्र को 800 से अधिक कुशल पेशेवरों का समर्थन प्राप्त है जो अंतर्देशीय व्यापार को सुव्यवस्थित करने और अंतराष्ट्रीय व्यापार वित्त को संसाधित करने के लिए समर्पित हैं। यह पहल SBI की रणनीति का हिस्सा है, जो वैश्विक व्यापार संचालन में टर्नअराउंड समय में सुधार, विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करने और बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने की है।

- नए केंद्रों का उद्देश्य आयात-निर्यात व्यापार सुविधा को बढ़ाना, लेनदेन प्रसंस्करण समय को कम करना और निर्यातकों और आयातकों को बेहतर सहायता प्रदान करना है। ये केंद्र विदेशी वित्त में परिचालन उत्कृष्टता के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

- SBI की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर, ये लॉन्च 1955 से इसके लंबे इतिहास और केंद्रित बुनियादी ढांचे के निवेश और कुशल जनशक्ति तैनाती के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सेवाओं को आधुनिक बनाने की इसकी महत्वाकांक्षा को दर्शाते हैं।

(i) ये केंद्र SBI के वैश्विक परिचालन प्रभाग के पूरक हैं, जो 36 देशों में लगभग 241 विदेशी कार्यालयों को सेवा प्रदान करता है। वित्त वर्ष 24 तक, SBI की विदेशी उपस्थिति 80 बिलियन डॉलर की बैलेंस शीट का दावा करती है, जिसमें इसकी GIFT सिटी IFSC रणनीति के माध्यम से महत्वपूर्ण वृद्धि की उम्मीद है।

(ii) गांधीनगर के GIFT सिटी में SBI की आईएफएससी शाखा ने 8 बिलियन डॉलर की बैलेंस शीट की रिपोर्ट की है और बहुराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए व्यापार वित्त पेशकश का विस्तार कर रही है। कोलकाता और हैदराबाद केंद्र उस वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र में घरेलू संबंधों को मजबूत करेंगे।

(iii) वित्त वर्ष 2024 में, SBI ने भारतीय कॉरपोरेट्स को 10.3 बिलियन डॉलर और विदेशी संस्थाओं को 16.2 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण स्वीकृत किया। अपने व्यापार वित्त ढांचे को मजबूत करके, इन नए केंद्रों का उद्देश्य बढ़ती विदेशी मुद्रा ऋण मांग और अंतराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण का समर्थन करना है।

2. RBI ने जुलाई-दिसंबर 2025 के लिए फ्लोटिंग रेट सेविंग बॉन्ड पर ब्याज दर 8.05% पर बरकरार रखी है।



1 जुलाई, 2025 को, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने घोषणा की कि उसके फ्लोटिंग रेट सेविंग बॉन्ड, 2020 (कर योग्य) [FRSB 2020 (T)] पर ब्याज दर 1 जुलाई से 1 दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए 8.05% पर अपरिवर्तित रहेगी।

- जुलाई-दिसंबर चक्र के लिए ब्याज भुगतान 1 जनवरी, 2026 को जमा किया जाएगा। 8.05% की वर्तमान दर राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (NSC) दर से 0.35% अधिक है, जो वर्तमान में 7.70% है, जो खुदरा निवेशकों को थोड़ा अधिक रिटर्न प्रदान करती है।

- NSC दर में परिवर्तन के आधार पर FRSB ब्याज दर हर छह महीने में रीसेट की जाती है। यह अर्ध-वार्षिक संशोधन सुनिश्चित करता है कि निवेशकों को बेंचमार्क एनएससी ब्याज दर में भविष्य की वृद्धि से लाभ मिले, जबकि दर प्रत्येक घोषित अवधि के लिए स्थिर रहती है।

- फ्लोटिंग रेट सेविंग बॉन्ड (FRSB) सरकार द्वारा समर्थित निश्चित आय वाले साधन हैं, जिन्हें विशेष रूप से खुदरा निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो दीर्घकालिक पूंजी सुरक्षा और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। ये बॉन्ड व्यापार योग्य नहीं हैं और इन्हें ऋण के लिए संपार्श्विक के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है, जिससे उनकी सुरक्षा प्रकृति और भी बढ़ जाती है।

Key Points:-

(i) FRSB की अवधि 7 वर्ष है, तथा इसमें न्यूनतम निवेश ₹1,000 है, तथा निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। सामान्य निवेशकों के लिए समय से पहले निकासी की अनुमति नहीं है, जो इसे एक प्रतिबद्ध दीर्घकालिक बचत उत्पाद के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करता है।

(ii) हालांकि, वरिष्ठ नागरिकों को एक निर्दिष्ट लॉक-इन अवधि (जो उम्र के अनुसार अलग-अलग होती है) के बाद जल्दी निकासी की अनुमति है, जो पिछले छह महीनों में अर्जित ब्याज का 50% जुर्माना के अधीन

है। यह विशेष निकास खंड वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए लचीलापन प्रदान करता है।

ECONOMY & BUSINESS

1. Nvidia एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़कर दुनिया की पहली 4 ट्रिलियन डॉलर वाली कंपनी बनने की ओर अग्रसर है।



जुलाई 2025 की शुरुआत में, एनवीडिया का स्टॉक अब तक के उच्चतम स्तर (~\$159-161) पर पहुंच गया, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण \$3.9-\$3.92 ट्रिलियन हो गया, जो एप्पल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ गया और पहली \$4 ट्रिलियन कंपनी के रूप में संभावित मील के पथर का संकेत दिया।

- एनवीडिया ने इंटराडे ट्रेडिंग में 3.92 ट्रिलियन डॉलर के ऐतिहासिक शिखर को पार कर लिया - दिसंबर 2024 से एप्पल के 3.915 ट्रिलियन डॉलर के उच्च स्तर को पार कर गया - जिससे यह इस मूल्यांकन को पार करने वाली पहली कंपनी बन गई।

- अपने शीर्ष स्तरीय एआई चिप्स और डेटा-सेंटर सेमीकंडक्टर की बढ़ती मांग से प्रेरित होकर, एनवीडिया का स्टॉक 2025 में 19% चढ़ गया, जिसने मजबूत Q2 आय और नए निवेशकों के विश्वास के माध्यम से अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों से पहले की आशंकाओं को दूर कर दिया।

Key Points:-

(i) AI चिप्स से परे रणनीतिक विविधीकरण विकास को गति दे रहा है: एनवीडिया द्वारा हेक्सागन के साथ साझेदारी में "AEON" ह्यूमनॉइड रोबोट का लॉन्च और रोबोटिक्स और ऑटोमोटिव तकनीक में विस्तार 2030 तक इसके रोबोटिक्स राजस्व को \$1.7B से \$7.6B तक बढ़ा सकता है।

(ii) वेसबश और लूप कैपिटल के विश्लेषकों को उम्मीद है कि एनवीडिया (और संभवतः माइक्रोसॉफ्ट) इस गर्मी में 4 ट्रिलियन डॉलर के मील के पथर को छू लेगा, अनुमान है कि AI और जनरेटिव तकनीक बूम द्वारा समर्थित, 18 महीनों के भीतर यह 5-6 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा।

(iii) यह रिकॉर्ड-सेटिंग होड़ एनवीडिया को तकनीकी दिग्गजों से आगे रखती है: माइक्रोसॉफ्ट \$ 3.7T पर दूसरे स्थान पर है, एप्पल \$ 3.19T पर तीसरे स्थान पर है, जबकि मैग्निफिसेंट सेवन (एनवीडिया सहित) अब S&P 500 के कुल बाजार मूल्य का 30% से अधिक चलाते हैं।

2. Crisil ने भारत के वित्त वर्ष 26 के GDP विकास पूर्वानुमान को संशोधित कर 6.5% किया।



1 जुलाई, 2025 को वैश्विक रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सामान्य से अधिक मानसून, अपेक्षित दर कटौती और मजबूत ग्रामीण और सरकारी खर्च जैसे अनुकूल

कारकों का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के जीडीपी विकास पूर्वानुमान को बढ़ाकर 6.5% कर दिया।

● यह संशोधन भारतीय मौसम विभाग के 106% मानसून (दीर्घावधि औसत से ऊपर) के पूर्वानुमान के बाद बेहतर परिदृश्य को दर्शाता है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि, ग्रामीण आय में वृद्धि और विवेकाधीन उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होने की उम्मीद है।

● क्रिसिल ने वित्त वर्ष 26 के दौरान RBI द्वारा लगभग 50 आधार अंकों की अतिरिक्त कटौती का अनुमान लगाया है, जो फरवरी से मौजूदा 100 आधार अंकों की कटौती पर आधारित है; यह सहजता चक्र उधार लागत को कम करेगा और निजी निवेश और खपत को प्रोत्साहित करेगा।

● मजबूत पूंजीगत व्यय (capex) गति पूर्वानुमान को बल देती है: मई में, केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में 38.7% की वृद्धि हुई, जबकि 17 प्रमुख राज्यों ने साल-दर-साल संयुक्त 44.7% की वृद्धि दर्ज की - जिससे बुनियादी ढांचे और निर्माण वस्तुओं का उत्पादन 6.3% बढ़ गया।

Key Points:-

(i) वित्त वर्ष 26 में ग्रामीण मांग में मजबूती आने की उम्मीद है, जो लक्षित आयकर राहत उपायों और ग्रामीण विकास योजनाओं, जैसे कि PM-किसान और मनरेगा के तहत बजटीय आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि से प्रेरित है। इन उपायों से ग्रामीण आय में वृद्धि और निजी खपत में तेजी आने की संभावना है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 55% से अधिक है।

(ii) हालांकि, क्रिसिल ने चेतावनी दी है कि जुलाई 2025 से अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी, औद्योगिक उत्पादन में नरमी (मई में IIP धीमा होकर 1.2% रह गया) और भू-राजनीतिक अनिश्चितता निर्यात और निजी निवेश के लिए महत्वपूर्ण नकारात्मक जोखिम

पैदा करती है।

3. SAIL ने वैश्विक इस्पात उपस्थिति को मजबूत करने के लिए दुबई में पहला विदेशी कार्यालय खोला।



2 जुलाई, 2025 को केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने दुबई के बिजनेस बे में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) के पहले विदेशी प्रतिनिधि कार्यालय का उद्घाटन किया। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य स्टील निर्यात को बढ़ावा देकर, भारत-UAE (संयुक्त अरब अमीरात) व्यापार संबंधों को मजबूत करके और व्यापक MENA (मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका) क्षेत्र में विस्तार करके SAIL की वैश्विक उपस्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है।

- **दुबई कार्यालय एक महत्वपूर्ण व्यापार और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में काम करेगा, जिससे बाजार पहुंच में सुधार होगा और इस्पात उद्योग में अग्रणी वैश्विक खिलाड़ी बनने के भारत के दृष्टिकोण का समर्थन होगा।**

- **इस्पात मंत्रालय के वैश्विक विस्तार अभियान के तहत दुबई में कार्यालय खोलने वाला सेल तीसरा CPSE (NMDC और मेकॉन के बाद) बन गया है। दुबई का निवेशक-अनुकूल वातावरण और मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के प्रवेश द्वार के रूप में इसकी स्थिति इसे एक आदर्श स्थान बनाती है।**

- **दुबई कार्यालय से इस्पात निर्यात में तेजी आने, उद्योग सहयोग को बढ़ावा मिलने और MENA क्षेत्र में एक क्षेत्रीय व्यापार केंद्र के रूप में कार्य करने की उम्मीद है, जो सेल को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इस्पात निर्माता के रूप में विकसित करने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा।**

Key Points:-

(i) SAIL वर्तमान में रास अल खैमाह के स्टेविन रॉक LLC से सालाना लगभग 2.5 मिलियन टन चूना पत्थर खरीदता है - दुबई कार्यालय सेल की क्षमता विस्तार 20MT से 35MT वार्षिक के अनुरूप इन आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाएगा।

(ii) यह पहल भारतीय स्टील CPSEs के बीच समन्वित प्रयास का हिस्सा है; NMDC और MECON ने हाल ही में दुबई में अपने कार्यालय खोले हैं, जबकि MOIL द्वारा भी ऐसा ही किए जाने की उम्मीद है। यह कदम 2030 तक 300 मीट्रिक टन स्टील उत्पादन क्षमता के लिए भारत के प्रयास का समर्थन करता है।

(iii) उद्घाटन समारोह में दुबई में भारत के महावाणिज्यदूत सतीश कुमार सिवन और SAIL के CMD अमरेंद्र प्रकाश सहित कई शीर्ष गणमान्य लोग मौजूद थे। यह कार्यालय भारत-UAE औद्योगिक सहयोग को रेखांकित करता है और हरित इस्पात और उच्च श्रेणी के मिश्र धातुओं में संयुक्त उद्यमों का मार्ग प्रशस्त करता है।

MOUs and Agreement

1. CEA और IIT रुड़की ने विद्युत क्षेत्र में नवाचार और कौशल विकास को आगे बढ़ाने के लिए हाथ मिलाया।



1 जुलाई, 2025 को विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) और IIT रुड़की ने भारत के विद्युत और ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान, क्षमता निर्माण और नवाचार को संयुक्त रूप से आगे बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

- CEA के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद और IIT रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन सीईए कर्मियों को IIT रुड़की की अल्पकालिक परियोजनाओं और ऑनलाइन तकनीकी पाठ्यक्रमों में भाग लेने का अधिकार देता है, जिससे ऊर्जा संक्रमण और प्रणाली लचीलेपन जैसे क्षेत्रों में उनके कौशल में वृद्धि होगी।

- मुख्य फोकस क्षेत्र में जलविद्युत और पंप भंडारण, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, वितरित उत्पादन और विद्युत-शक्ति प्रणाली लचीलेपन पर सहयोगात्मक अनुसंधान शामिल है, जो विश्वसनीय ग्रिड संचालन और आंतरायिक नवीकरणीय ऊर्जा के अनुकूलन के लिए महत्वपूर्ण है।

- अंतःविषय परियोजनाएं डीकार्बोनाइजेशन, ऊर्जा दक्षता, जल तटस्थता और न्यायसंगत संक्रमण ढांचे का पता लगाएंगी, जो 2070 तक भारत के शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य और विश्वव्यापी अनुसंधान मानकों के साथ संरेखित होंगी।

Key Points:-

(i) सहयोग उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कि ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, बायोमास को-फायरिंग और भूतापीय ऊर्जा तक फैला हुआ है - जो एक टिकाऊ और विविध ऊर्जा पोर्टफोलियो के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

(ii) साझेदारी उत्सर्जन सूची, प्रदूषण आकलन मॉडल भी विकसित करेगी, ऊर्जा बुनियादी ढांचे की जलवायु भेद्यता का आकलन करेगी, और पर्यावरणीय लचीलापन को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी और रीसाइक्लिंग के लिए मानक बनाएगी।

(iii) डेटा साझा करना, अनुसंधान अवसंरचना का संयुक्त उपयोग और निष्कर्षों का प्रकाशन गोपनीयता प्रावधानों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन बिजली क्षेत्र में सूचित नीति निर्माण और तकनीकी प्रगति के लिए शैक्षणिक-उद्योग तालमेल का लाभ उठाने की सरकार की रणनीति को मजबूत करता है।

2. KDU में हिंदी भाषा पाठ्यक्रम के शुभारंभ से भारत-श्रीलंका शैक्षिक संबंध मजबूत हुए।



3 जुलाई, 2025 को, कोलंबो, श्रीलंका में जनरल सर जॉन कोटेलावाला रक्षा विश्वविद्यालय (KDU) ने भारत के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (SVCC) के सहयोग से अपना पहला ऑन-कैंपस हिंदी भाषा

शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया, जो द्विपक्षीय शैक्षिक और सांस्कृतिक जुड़ाव में एक बड़ा कदम है।

- भारत के उच्चायुक्त संतोष झा और KDU के कुलपति रियर एडमिरल HGU दम्मिका कुमारा द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैन्य कैडेटों और नागरिक स्नातकों दोनों को बुनियादी हिंदी भाषा कौशल और सांस्कृतिक साक्षरता से लैस करना है, जिससे भारत-श्रीलंका शैक्षिक संबंध मजबूत होंगे। भारत के उच्चायुक्त संतोष झा और केडीयू के कुलपति रियर एडमिरल एचजीयू दम्मिका कुमारा द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैन्य कैडेटों और नागरिक स्नातकों दोनों को बुनियादी हिंदी भाषा कौशल और सांस्कृतिक साक्षरता से लैस करना है, जिससे भारत-श्रीलंका शैक्षिक संबंध मजबूत होंगे।

- विश्वभर में 600 मिलियन से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी, छात्रों को भारतीय साहित्य, सिनेमा, मीडिया और व्यावसायिक अवसरों तक पहुंच प्रदान करती है - यह एक प्रमुख कारण है जिस पर संतोष झा ने लॉन्च के दौरान जोर दिया।

- यह पाठ्यक्रम KDU में पहला ऑन-कैंपस हिंदी ऐच्छिक पाठ्यक्रम है, जो जनवरी 2025 में शुरू किए जाने वाले श्रीलंका मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा हिंदी प्रमाणपत्र का पूरक है - जो श्रीलंका भर में हिंदी पाठ्यक्रमों की बढ़ती मांग को पूरा करता है।

Key Points:-

(i) जनवरी 2025 में, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (SVCC) ने श्रीलंका के मुक्त विश्वविद्यालय के साथ मिलकर दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से श्रीलंका का पहला प्रमाणपत्र-स्तरीय हिंदी पाठ्यक्रम शुरू किया, जिससे 88 से अधिक स्कूलों और 9 सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तक हिंदी शिक्षा की पहुँच बढ़ गई। इस उपलब्धि ने एसवीसीसी की पहुँच का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार किया और हिंदी को श्रीलंका की

औपचारिक शिक्षा प्रणाली में एक बढ़ती हुई शैक्षणिक भाषा के रूप में स्थापित किया।

(ii) पाठ्यक्रम में योग्य भारतीय प्रशिक्षकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले पढ़ना, लिखना, बोलना, समझना और सांस्कृतिक मॉड्यूल शामिल हैं, जिसका उद्देश्य श्रीलंकाई छात्रों के बीच बहुभाषी क्षमता और अंतर-सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना है।

(iii) यह पहल व्यापक भारत-श्रीलंका सहयोग का हिस्सा है - जिसे भारत में हिंदी अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति से बल मिला है - जो शिक्षा के माध्यम से लोगों के बीच गहरे संबंधों और सांस्कृतिक कूटनीति का संकेत देता है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. सुनील जयवंत कदम को SEBI का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया।



1 जुलाई, 2025 को, सुनील जयवंत कदम ने मुंबई में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI) के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी, निवेशक सहायता, आर्थिक और नीति विश्लेषण और राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (NISM) सहित प्रमुख विभागों की देखरेख की।

- 1996 से SEBI में कार्यरत कदम का अनुभव बाजार विनियमन, निगरानी, जांच, निगम वित्त तक फैला

हुआ है, तथा इससे पहले वे NISM में रजिस्ट्रार और SEBI के उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं।

● कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (ITD), निवेशक सहायता एवं शिक्षा कार्यालय (OIAE), आर्थिक एवं नीति विश्लेषण विभाग (DEPA), सामान्य सेवा विभाग (GSD), बोर्ड सेल, RTI एवं संसदीय प्रश्न सेल, तथा NSIM मामलों जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे।

Key Points:-

(i) सुनील जयवंत कदम की नियामक कुशलता में फॉरेंसिक अकाउंटिंग, ई-वोटिंग, भारतीय डिपॉजिटरी रसीदें (IDRs), बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी रिपोर्ट, तथा तलाशी, जब्ती, न्यायनिर्णयन और मुकदमेबाजी जैसी कानूनी कार्रवाइयों का प्रबंधन शामिल है।

(ii) उन्होंने प्रकटीकरण एवं लेखा मानक समिति (SCODA) जैसी सेबी समितियों के माध्यम से नीतियों को आकार देने में योगदान दिया तथा संबंधित पक्ष लेनदेन और अल्पसंख्यक शेयरधारकों के संरक्षण पर OECD रिपोर्ट के लिए इनपुट प्रदान किया।

(iii) शैक्षिक रूप से, कदम के पास पुणे विश्वविद्यालय से MBA और गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, मुंबई से प्रतिभूति कानून में स्नातकोत्तर की डिग्री है, जिसमें उनके नियामक उत्तरदायित्वों के लिए उपयुक्त प्रबंधन और कानूनी विशेषज्ञता का सम्मिश्रण है।

AWARDS

1. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में फिनटेक नवाचार और समावेशन में उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए डिजिटल भुगतान पुरस्कार 2024-25 प्रदान किए।



18 जून, 2025 को केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ मिलकर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में डिजिटल भुगतान पुरस्कार 2024-25 प्रदान किए, जिसमें भारत के सुरक्षित, समावेशी और अभिनव डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने के लिए 21 संस्थानों को सम्मानित किया गया।

● ये पुरस्कार वित्त मंत्रालय द्वारा डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत आयोजित किए गए थे और इसमें बैंकों को 10 पुरस्कार और फिनटेक तथा भुगतान सेवा प्रदाताओं को 11 पुरस्कार शामिल थे। इन पुरस्कारों ने डिजिटल भुगतान सूचकांक के तहत यूपीआई वॉल्यूम लीडरशिप, साइबर सुरक्षा लचीलापन, ऑफ़लाइन भुगतान सक्षमता और ग्रामीण पहुंच जैसी श्रेणियों के लिए संस्थानों को मान्यता दी।

● बैंकिंग क्षेत्र में, विभिन्न श्रेणियों में भारत के डिजिटल भुगतान प्रणाली में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रमुख संस्थानों को सम्मानित किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, और यूको बैंक को सम्मानित किया गया। निजी क्षेत्र की श्रेणी में, HDFC बैंक, इंडसइंड बैंक, और सिटी यूनिजन बैंक को पुरस्कार प्रदान किए गए। इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB) को स्मॉल फाइनेंस बैंक श्रेणी में सम्मानित किया गया, जबकि इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) को पेमेंट्स

बैंक श्रेणी में सर्वोच्च स्थान मिला। इन बैंकों को UPI लेन-देन की मात्रा, ग्रामीण व्यापारियों को डिजिटल रूप से जोड़ने, और पूरे देश में नवोन्मेषी, समावेशी और सुरक्षित डिजिटल वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया।

● फिनटेक और टेक इनेबलर्स में फोनपे, पेटीएम, रेजरपे और ईजीटैप सबसे आगे रहे। फोनपे को "सबसे सक्रिय ऑफलाइन पेमेंट इनेबलर" का पुरस्कार मिला, जिसने व्यापक क्यूआर-कोड और UPI-लाइट अपनाने को बढ़ावा दिया। फिनटेक को भारत बिल भुगतान प्रणाली (BBPS), फास्टैग, AePS और क्रॉस-बॉर्डर UPI पायलट सफलता में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

Key Points:-

(i) भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में 18,587 करोड़ डिजिटल भुगतान लेनदेन के साथ एक मील का पत्थर हासिल किया, जिसका मूल्य ₹261 लाख करोड़ से अधिक है, और संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस और सिंगापुर सहित 7 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में यूपीआई पैठ है। EY ग्लोबल फिनटेक एडॉप्शन इंडेक्स के अनुसार, भारत में फिनटेक अपनाने की दर 87% है, जो वैश्विक औसत 67% से कहीं अधिक है।

(ii) IPPB (इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) को विशेष रूप से ग्रामीण वित्तीय समावेशन रणनीति के लिए सम्मानित किया गया, जिसने 5.5 लाख से अधिक गांवों में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए 2 लाख ग्रामीण डाक सेवकों और डाक कर्मचारियों का लाभ उठाया, जिससे वंचित आबादी को डिजिटल अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने में मदद मिली। इसने आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (AePS) आउटरीच के लिए भी पुरस्कार जीता।

(iii) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के भविष्य को "फिजिटल" के रूप में रेखांकित किया - जिसमें डिजिटल डिलीवरी के साथ भौतिक पहुंच का मिश्रण

होगा। उन्होंने डीपफेक साइबर खतरों जैसे जोखिमों पर प्रकाश डाला, फिनटेक से धोखाधड़ी का पता लगाने, AI-आधारित सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में पहुंच का विस्तार करने के लिए वॉयस-सक्षम भुगतान, UPI 123PAY और ऑफलाइन UPI (नियर फील्ड कम्युनिकेशन) जैसे नवाचारों को प्रोत्साहित किया।

IMPORTANT DAYS

1. भारत ने 4 जुलाई 2025 को स्वामी विवेकानंद की 123वीं पुण्यतिथि मनाई।



4 जुलाई, 2025 को भारत और वैश्विक आध्यात्मिक समुदाय स्वामी विवेकानंद (जन्म नरेंद्रनाथ दत्त, 1863-1902) की 123वीं पुण्यतिथि मनाएगा, जिनकी आध्यात्मिक दृष्टि और वेदांत, युवा सशक्तिकरण और राष्ट्रीय पुनरुत्थान पर शिक्षाएं आज भी गूंजती रहती हैं।

● 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में जन्मे विवेकानंद अपने गुरु श्री रामकृष्ण से प्रेरित थे। 1886 में उन्होंने संन्यासी जीवन अपनाया और पूरे भारत की यात्रा की, इसके विविध सामाजिक ताने-बाने का अनुभव किया और 1892 में कन्याकुमारी में अपना जीवन सेवा और ज्ञानोदय के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया।

● 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में विवेकानंद ने "अमेरिका के बहनों और भाइयों" से अपना भाषण शुरू किया, जिसके लिए उन्हें खड़े होकर तालियां बजाई गईं और उन्होंने पश्चिम को हिंदू दर्शन, वेदांत और सार्वभौमिक आध्यात्मिकता से परिचित कराया - जिससे एक प्रमुख धार्मिक राजदूत के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई।

● नव-वेदांत के समर्थक, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "प्रत्येक आत्मा संभावित रूप से दिव्य है," और ऐसी शिक्षा का समर्थन किया जो चरित्र, शक्ति और आत्मनिर्भरता का निर्माण करती है, तथा इन सिद्धांतों को राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्थान में एकीकृत करती है।

Key Points:-

(i) स्वामी विवेकानंद ने 1897 में आध्यात्मिक सेवा (कर्म योग) और अंतरधार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए रामकृष्ण मठ और मिशन की स्थापना की। 1985 में, भारत ने उनके जन्मदिन (12 जनवरी) को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया, जो देश के युवाओं के लिए उनकी स्थायी प्रेरणा को दर्शाता है।

(ii) इस वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के CM योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं ने उन्हें सम्मानित किया और उनकी शिक्षाओं को एक "मार्गदर्शक प्रकाश" कहा, जिसने गर्व, एकता, निस्वार्थ सेवा और नैतिक साहस को बढ़ावा दिया। विवेकानंद का आह्वान "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" वैश्विक समाज को प्रेरित करता रहता है।

2. अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस 2025 विश्व स्तर पर 3 जुलाई को मनाया गया।



पर्यावरण, समुद्री जीवन और मानव स्वास्थ्य पर एकल-उपयोग प्लास्टिक (SUP) बैग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 3 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया जाता है। यह दिवस लोगों को संधारणीय, पुनः प्रयोज्य विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

● यह दिवस पहली बार 3 जुलाई 2008 को कैटेलोनिया, स्पेन में मनाया गया था, जिसकी शुरुआत जीरो वेस्ट यूरोप (ZWE) के सदस्य रेज़ेरो नामक संगठन ने की थी। पिछले कुछ वर्षों में, अभियान का विस्तार हुआ और प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ समुदाय के नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से वैश्विक गति प्राप्त हुई।

Key Points:-

(i) 2009 में, ZWE ने पूरे यूरोपीय संघ (EU) में जागरूकता पहल का विस्तार किया, जिससे सदस्य देशों के भीतर प्लास्टिक बैग विनियमन और संधारणीय विकल्पों पर व्यापक नीतिगत चर्चाएँ हुईं। इस आंदोलन ने EU में विधायी कार्रवाइयों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

(ii) 2015 तक, यूरोपीय संघ ने प्लास्टिक बैग निर्देश (EU 2015/720) को अपनाया और पैकेजिंग और पैकेजिंग अपशिष्ट निर्देश (94/62/EC) में संशोधन किया, ताकि हल्के प्लास्टिक बैग के उपयोग को सीमित किया जा सके, प्लास्टिक कचरे को कम करने

के लिए कमी और पुनः उपयोग की नीतियों पर जोर दिया जा सके।

(iii) 2016 में, यह दिन आधिकारिक तौर पर ब्रेक फ्री फ्रॉम प्लास्टिक (BFFP) आंदोलन का हिस्सा बन गया, जो प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने और वैश्विक प्लास्टिक बैग प्रतिबंधों और विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध 1,500 से अधिक संगठनों का एक वैश्विक गठबंधन है।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. चीन ने उन्नत RBCC इंजन के साथ फ़ीतियान-2 हाइपरसोनिक वाहन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।



जून 2025 के अंत में, नॉर्थवेस्टर्न पॉलिटेक्निकल यूनिवर्सिटी (NPU) ने फ़ीतियान-2 का उड़ान परीक्षण किया, जो एक पुनः प्रयोज्य हाइपरसोनिक वाहन है जो एक अग्रणी रॉकेट-आधारित संयुक्त चक्र (RBCC) इंजन से लैस है, जो निर्बाध मोड-स्विच क्षमता और उन्नत स्वायत्त उड़ान का प्रदर्शन करता है - जो वैमानिकी में एक बड़ी छलांग है।

● फ़ीतियान-2 ने मैक 12 (~14,800 किमी/घंटा) तक की गति प्राप्त की और रॉकेट-संचालित इजेक्टर मोड से एयर-ब्रीदिंग रैमजेट मोड में सुचारू संक्रमण को अंजाम दिया, जिससे हाइपरसोनिक मिशनों के

लिए महत्वपूर्ण इन-फ़्लाइट लचीलापन प्रदर्शित हुआ।

● RBCC इंजन केरोसिन-हाइड्रोजन पेरॉक्साइड प्रणोदक का उपयोग करता है, जिससे भारी क्रायोजेनिक ऑक्सीजन के बिना ऑनबोर्ड मोड स्विचिंग की अनुमति मिलती है। यह हाइब्रिड सिस्टम वजन कम करता है, ईंधन दक्षता बढ़ाता है और पेलोड क्षमता बढ़ाता है।

● परिवर्तनीय-ज्यामिति इंटेक, बड़े टेल फिन और अतिरिक्त पंखों जैसे डिजाइन उन्नयन ने स्थिरता और स्वायत्त उड़ान नियंत्रण में सुधार किया, जिसमें वास्तविक समय के हमले के कोण समायोजन भी शामिल हैं - जो मानवरहित हाइपरसोनिक प्लेटफॉर्मों के लिए आदर्श है।

Key Points:-

(i) इस परीक्षण ने वास्तविक उड़ान RBCC डेटा प्रदान किया, जो इस तरह के इंजनों में केरोसिन-हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के पहले दर्ज उपयोग को चिह्नित करता है। ये जानकारियाँ उच्च गति प्रणोदन, वायुगतिकी और भविष्य में पुनः प्रयोज्य हाइपरसोनिक प्रणालियों को परिष्कृत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

(ii) फ़ीतियान-2 वैश्विक हाइपरसोनिक हथियारों और एयरोस्पेस दौड़ में चीन की बढ़त स्थापित करता है। मल्टी-मोड प्रोपल्शन के साथ इसका पुनः प्रयोज्य प्लेटफॉर्म सैन्य अनुप्रयोगों को फिर से परिभाषित कर सकता है - जैसे मिसाइल और स्ट्राइक ड्रोन - और सुपरसोनिक परिवहन जैसे भविष्य के नागरिक उपयोग को गति दे सकता है।

OBITUARY

1. पूर्व रक्षा सचिव और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल शेखर दत्त का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया।



2 जुलाई, 2025 को, डॉ. शेखर दत्त - वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, पूर्व रक्षा सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और छत्तीसगढ़ के चौथे राज्यपाल - का 80 वर्ष की आयु में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली में निधन हो गया।

- मध्य प्रदेश कैडर के 1969 बैच के IAS अधिकारी दत्त ने भारतीय सेना में अपनी सेवा की शुरुआत एक शॉर्ट-सर्विस कमीशन अधिकारी के रूप में की थी। उन्हें 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान वीरता के लिए सेना पदक से सम्मानित किया गया था, जो सिविल सेवा में प्रवेश करने से पहले ही उनकी वीरता को दर्शाता है।

- डॉ. दत्त जुलाई 2005 से जुलाई 2007 तक भारत के रक्षा सचिव के रूप में कार्यरत रहे और इसके बाद 2009 तक उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) नियुक्त किये गये, इस दौरान उन्होंने रक्षा खरीद सुधारों को आगे बढ़ाने और रणनीतिक योजना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- उन्होंने 23 जनवरी 2010 को छत्तीसगढ़ के चौथे राज्यपाल के रूप में शपथ ली और 19 जून 2014 तक इस पद पर रहे। उनका कार्यकाल राज्य में समावेशी शासन को बढ़ावा देने, आदिवासी कल्याण, कृषि और शिक्षा को समर्थन देने के लिए जाना जाता है।

(i) रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर साझा किए गए एक बयान में उन्हें एक "सम्मानित सैनिक और दूरदर्शी प्रशासक" के रूप में वर्णित किया, जिनकी ईमानदारी और विनम्रता ने भारत की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा वास्तुकला को आकार दिया। पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार 3 जुलाई को दिल्ली छावनी के बरार स्क्रायर श्मशान घाट पर किया जाना था।

(ii) शेखर दत्त भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रमुख भी रहे और उन्होंने आदिवासी कल्याण, स्कूली शिक्षा और आयुष जैसे मंत्रालयों में भी योगदान दिया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साईं समेत वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की और सेना, नौकरशाही और राज्य प्रशासन में उनकी सेवा विरासत पर जोर दिया।

Key Points:-

Static GK

UAE	राष्ट्रपति: मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान	प्रधानमंत्री: मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम
Russia	राजधानी: मास्को	मुद्रा: रूसी रूबल
SBI	अध्यक्ष: चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी	मुख्यालय: मुंबई
International Finance Corporation (IFC)	प्रबंध निदेशक (MD) : मुख्तार डियोप	मुख्यालय : वाशिंगटन डी.सी., USA
RBI	राज्यपाल: संजय मल्होत्रा	मुख्यालय: नई दिल्ली
Nvidia	CEO : जेन्सेन हुआंग	मुख्यालय: सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका
SEBI	अध्यक्ष: तुहिन कांता पांडे	मुख्यालय: मुंबई
SAIL	स्थापना : 1973	मुख्यालय: नई दिल्ली
China	राष्ट्रपति: शी जिनपिंग	राजधानी: बीजिंग